खबर संक्षेप

दहेज और प्रताडना मामले में पति और नानी सास गिरफ्तार, सास फरार

शहडोल। ग्राम कनवाही में एक नवविवाहिता की मौत के मामले में गोहपारू पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। ससुराल पक्ष की मानसिक और शारीरिक प्रताडन्ना से तंग आकर 24 वर्षीय रेखा सिंह ने मौत को गले लगा लिया था। पुलिस ने इस मामले में पति और नानी सास को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि मुख्य आरोपी सास अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है।

हृदय विदारक यह घटना 14 मार्च की है, जब मृतिका रेखा सिंह ने ससुराल वालों के लगातार बढ़ते घरेलू विवाद और जुल्मों से परेशान होकर अपने ऊपर पेट्रोल छिडक़ा और आग लगा ली। गंभीर रूप से झुलसी रेखा की अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मृत्यु का कारण आग से जलना ही पाया गया है।

पुलिस की मर्ग जांच और परिजनों के बयानों ने ससुराल पक्ष के काले चेहरे को बेनकाब कर दिया। जांच में सामने आया कि पति कृष्णपाल सिंह, सास रामवती सिंह और नानी सास दीदी बाई मिलकर छोटी-छोटी बातों पर रेखा को प्रताड़ित करते थे। पुलिस ने साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 और 3(5) के तहत संगीन मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 12 अप्रैल को आरोपी पति कृष्णपाल सिंह उम्र 25 वर्ष और नानी सास दीदी बाई उम्र 65 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। हालांकि, मामले की तीसरी आरोपी सास रामवती सिंह गिरफ्तारी के डर से फरार है, जिसकी तलाश में पुलिस की टीमें संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही हैं।

खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व 14 अप्रैल को,सजेंगे विशेष कीर्तन दीवान

शहडोल। खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व 14 अप्रैल दिन मंगलवार को गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा घरौला मोहल्ला में मनाया जाएगा। बैसाखी पर्व के अवसर पर विशेष कीर्तन दीवान सजाए जा रहे हैं। इस अवसर पर पंजाब के मुक्तसर से भाई गुरप्रीत सिंह जी साथियों के साथ शहडोल आए हुए हैं। उनके द्वारा कीर्तन दीवान सजाए जाएंगे। गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा शहडोल में 12 अप्रैल को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के अखंड पाठ की आरंभता हो चुकी है। 13 अप्रैल की सुबह से ही विशेष कीर्तन दीवान गुरुद्वारे में सजाए जा रहे हैं और उसके उपरांत लंगर भी बरताया जा रहा है। 14 अप्रैल दिन मंगलवार को श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के अखंड पाठ साहिब की समाप्ति सुबह 9 बजे होगी। सुबह 10:30 बजे से 11:00 बजे तक गुरु घर के हजूरी रागी ज्ञानी धर्म सिंह जी कीर्तन दीवान सजाएंगे 11:00 बजे से दोपहर 12:30 तक पंजाब के मुक्तसर से आए भाई गुरप्रीत सिंह जी अपने साथियों के साथ कीर्तन दीवान सजाएंगे। इसके उपरांत गुरु घर के हजूरी रागी ज्ञानी धर्म सिंह जी दोपहर 1:00 तक कीर्तन दीवान सजाएंगे अरदास के उपरांत लंगर की सेवा होगी। शाम के दिवान में भी मुक्तसर से आएभाई गुरप्रीत सिंह जी शाम 7:30बजे से 8:30 बजे तक कीर्तन दीवान सजाएंगे। अरदास के उपरांत रात 9:00 बजे से लंगर बरताया जाएगा

शहडोल गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार बलविंदर सिंह ने शहडोल नगर के सभी नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि 14 अप्रैल को खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व सभी कार्यकमो शामिल होकर गुरु की खुशियां प्राप्त करें और अपना जीवन सफल करें।

करोड़ों के घोटाले पर लीपापोती? आरोपी अफसरों को ही सौंपी जांच

पेंट घोटाले में नया खेलः जिन पर आरोप, वही बने जांच अधिकारी

शहडोल शिक्षा विभाग में जांच पर सवाल, आरोपी ही बने जांचकर्ता

शहडोल के बहुचर्चित 'पेंट घोटाले' में अब एक नया और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। जिन अधिकारियों पर करोड़ों रुपए के मरम्मत घोटाले में आरोप लगे थे, उन्हें ही जांच समिति में शामिल कर दिया गया है। इससे पूरे मामले की निष्पक्षता पर सवाल खड़े हो गए हैं और शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर कटघरे में है।

शहडोल।

जिले के स्कूल शिक्षा विभाग में सामने आए बहुचर्चित 'पेंट घोटाले' ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। पिछले वर्ष जिस मामले ने प्रदेशभर में सुर्खियां बटोरी थीं, वही अब नए घटनाक्रम के साथ और अधिक विवादों में घिर गया है। ताजा स्थिति में सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जिन अधिकारियों और कर्मचारियों पर पहले भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, आखिर उन्हें ही जांच की जिम्मेदारी कैसे सौंप दी गई। यह पूरा मामला मरम्मत और पेंटिंग कार्यों के नाम पर करोड़ों रुपए के भुगतान से जुड़ा है। आरोप रहे हैं कि ब्यौहारी विकासखंड के कई स्कूलों में बिना कार्य या अधूरे कार्य के बावजूद भारी-भरकम बिल लगाकर राशि आहरित की गई। कई मामलों में एक ही प्रकार के काम को अलग-अलग मदों में दिखाकर भुगतान लिया गया, जबकि जमीनी स्तर पर कार्य नगण्य पाया गया।

इस प्रकरण में सुधाकर कंस्ट्रक्शन नाम की फर्म का नाम बार-बार सामने आया। आरोप लगे कि इसी फर्म के नाम पर फर्जी बिलों के जरिए लाखों-करोड़ों रुपए निकाले गए। सामग्री की मात्रा को बढ़ा-चढ़ाकर दर्शाने और छोटे कार्यों को बड़े खर्च के रूप में दिखाने जैसी अनियमितताओं की भी शिकायतें सामने आई थीं। कुछ मामलों में तो स्थिति यह रही कि सीमित मात्रा में उपयोग की गई सामग्री को कई गुना अधिक दिखाया गया। तीन विद्यालयों में अत्यधिक मात्रा में रंग और सीमेंट के उपयोग का उल्लेख किया गया, जबकि वास्तविकता इससे मेल नहीं खाती थी। सक्कन्दी सहित अन्य विद्यालयों में भी मरम्मत कार्यों के नाम पर लाखों रुपए खर्च दिखाए गए, जिनकी गुणवत्ता और वास्तविकता पर सवाल उठे।

हरिभूमि
करोड़ों के भ्रष्टाचार की फाइलें दबाई गईं
शहडोल शिक्षा विभाग का 'पेंट घोटाला'

हरिभूमि
विराट भूमि
फिर बोतल से निकला "सुधाकर कंस्ट्रक्शन" का जिन्न

हरिभूमि
पेंशन से पहले जांच पूरी करने की मांग तेज
करोड़ों का 'पेंट घोटाला' रिटायर डीईओ पर आरोप

मामला सामने आने के बाद शिकायतें जनसुनवाई से लेकर उच्च स्तर तक पहुंचीं और जांच की मांग तेज हुई। यहां तक कि न्यायालय तक मामला पहुंचने की बात भी सामने आई। बावजूद इसके, कार्रवाई की गति धीमी रही और जिम्मेदारों पर ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी।

इस बीच शासन स्तर से हाल ही में जारी निर्देशों में पिछले तीन वर्षों के कार्यों की जांच के आदेश दिए गए। इसके अनुपालन में जिला स्तर पर जांच समिति का गठन किया गया, जिसे अल्प समय में भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं, लेकिन यही आदेश अब विवाद का केंद्र बन गया है। समिति में शामिल कुछ नाम वही हैं, जिन पर पूर्व में घोटाले के दौरान सवाल उठे थे। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या यह जांच निष्पक्ष हो पाएगी या फिर पहले की तरह मामला दबा दिया जाएगा। जानकारों का मानना है कि यदि जांच प्रक्रिया में पारदर्शिता और स्वतंत्रता नहीं होगी, तो परिणाम पहले से तय माने जाएंगे। आरोपी और जांचकर्ता के बीच स्पष्ट विभाजन न होना इस पूरे मामले की विश्वसनीयता को कमजोर करता है।

इस पूरे प्रकरण का एक गंभीर पहलू यह भी है कि करोड़ों रुपए की राशि स्कूलों के रखरखाव और मरम्मत के लिए जारी की गई थी। यह राशि बच्चों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण तैयार करने के उद्देश्य से दी गई थी, लेकिन आरोप है कि इसका उपयोग कागजी कार्यों और फर्जी बिलों के जरिए किया गया। कई जगह बिना वास्तविक कार्य के ही भुगतान कर दिया गया और दस्तावेजों में कार्य पूर्ण दिखा दिया गया। इससे यह संकेत मिलता है कि सिस्टम के भीतर मिलीभगत के बिना इतना बड़ा वित्तीय अनियमितता संभव नहीं थी।

अब जब एक बार फिर जांच की प्रक्रिया शुरू की गई है, तो आमजन और संबंधित वर्ग की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या इस बार सच्चाई सामने आएगी या फिर यह मामला भी कागजों तक सीमित रह जाएगा। शिक्षा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में इस प्रकार के मामलों का सामने आना न केवल प्रशासनिक व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है, बल्कि समाज के विश्वास को भी प्रभावित करता है। फिलहाल स्थिति यह है कि जांच समिति के गठन ने ही नए विवाद को जन्म दे दिया है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या शासन स्तर पर इस मामले को गंभीरता से लेते हुए निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी या फिर यह प्रकरण भी समय के साथ ठंडे बस्ते में चला जाएगा।

याचक नहीं, अब भाग्यविधाता है नारीः मनीषा सिंह

मोदी ने माताओं-बहनों को याचक से बनाया नायक

शहडोल। भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय अटल निलय में आयोजित एक गर्जनापूर्ण प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक श्रीमती मनीषा सिंह ने कांग्रेस पर तीखे प्रहार करते हुए नारी शक्ति वंदन अधिनियम को भारत के भाग्य को बदलने वाला ऐतिहासिक निर्णय करार दिया। उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि जिस महिला आरक्षण को कांग्रेस ने दशकों तक अपनी राजनीतिक वेदी पर चढ़ाया, उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इच्छाशक्ति के दम पर धरातल पर उतारकर दिखा दिया।

मनीषा सिंह ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि महिला आरक्षण विधेयक कांग्रेस के लिए केवल घोषणापत्र का एक पन्ना था। उन्होंने याद दिलाया कि 1998 में कांग्रेस के सहयोगियों ने संसद में बिल की कॉपियां फाड़ी थीं, लेकिन कांग्रेस सत्ता के लालच में मौन रही। विधायक ने तंज कसा कि कांग्रेस के शब्द केवल इवेंट के लिए होते हैं, जबकि मोदी के शब्द इम्प्लीमेंटेशन (कार्यान्वयन) की गारंटी हैं। 2029 के चुनाव तक 33 प्रतिशत सीटों पर नारी शक्ति की गूँज सुनाई देना तय है।

विधायक ने कहा कि मोदी सरकार ने महिलाओं को केवल वोट बैंक नहीं समझा, बल्कि उन्हें अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा से जोड़ा। 12 करोड़ इज्जत घर, 10 करोड़ उज्ज्वला कनेक्शन और 73 प्रतिशत पीएम आवास महिलाओं के नाम होना इस बात का प्रमाण है कि आज की नारी संपत्ति की मालकिन और देश की भाग्यविधाता बन चुकी है। मुद्रा योजना के माध्यम से करोड़ों बहनें आज नौकरी मांगने वाली नहीं, बल्कि नौकरी देने वाली बन गई हैं।

महिला मोर्चा की प्रदेश उपाध्यक्ष शालिनी सरावगी और जिला अध्यक्ष निभा गुप्ता ने भी संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी का चयन और फाइटर प्लेन उड़ाती बेटियां नए भारत की पहचान हैं। भाजपा नेतृत्व ने स्पष्ट किया कि 2026 के इस अधिनियम से अब बिना किसी विरासत वाली सामान्य पृष्ठभूमि की बेटियां भी संसद पहुंचकर देश की नीतियां तय करेंगी।

शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने वाला आरोपी धराया

शहडोल। मासूमों की अस्मत से खिलवाड़ करने वाले समाज के दुश्मनों के खिलाफ जयसिंहनगर पुलिस ने एक और सर्जिकल स्ट्राइक की है। शादी का झांसा देकर चार साल तक एक किशोरी का दैहिक शोषण करने वाले आरोपी सूरज अहिरवार को पुलिस ने सलाखों के पीछे भेज दिया है। घटनाक्रम के अनुसार, आरोपी सूरज अहिरवार ने वर्ष 2022 में एक विवाह समारोह के दौरान पीड़िता को अपने जाल में फंसाया। दरिंदगी की हद तब पार हो गई जब जून 2023 में आरोपी ने पीड़िता को नाबालिग (16 वर्ष) होने के बावजूद जंगल में ले जाकर जबरन उसकी अस्मत लूटी। विरोध करने पर आरोपी ने बालिग होते ही शादी का झुनझुना थमाकर चार साल तक उसका शारीरिक शोषण जारी रखा। जब आरोपी अपने वादे से मुकर गया, तो पीड़िता ने थाने की चौखट पर न्याय की गुहार लगाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल भारतीय न्याय संहिता और कड़े पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार बैगा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी की घेराबंदी की और उसे दरौड़ी गांव से दबोच लिया। आरोपी को आज न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। इस कार्रवाई ने स्पष्ट संदेश दिया है कि जयसिंहनगर की धरती पर महिला सुरक्षा से समझौता करने वालों का हश्र केवल जेल होगा।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाला पहुंचा जेल

शहडोल। सब्जी लेने बाजार गई 14 साल की मासूम को अपनी हवस का शिकार बनाने वाले को ब्यौहारी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने न केवल अपहृत नाबालिग को सुरक्षित बरामद किया, बल्कि फरार चल रहे आरोपी को घेराबंदी कर सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। इस कार्रवाई से इलाके के मनचलों और अपराधियों में हडक़ंप मच गया है।

घटना का 26 फरवरी को हुई थी, जब ग्राम घोरसा निवासी एक पिता ने अपनी मासूम बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। नाबालिग सब्जी लेने ब्यौहारी बाजार गई थी, जहां से आरोपी भोला प्रसाद उर्फ मोलू चर्मकार 19 वर्ष उसे बहला-फुसलाकर ले गया। पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तत्काल अपहरण का मामला दर्ज कर खोजबीन शुरू की।

पुलिस की सक्रियता से 2 मार्च को नाबालिग को दस्तयाब कर लिया गया। जब माननीय न्यायालय के समक्ष पीड़िता के बयान दर्ज हुए, तो रूह कंपा देने वाली सच्चाई सामने आई। आरोपी ने नाबालिग के साथ दरिंदगी की थी। बयानों के आधार पर पुलिस ने मामले में धारा 64, 65 और कड़े पॉक्सो एक्ट की धाराओं का इजाफा किया।

मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही आरोपी भन्नी निवासी भोला प्रसाद फरार चल रहा था। थाना प्रभारी जियाउल हक खान के नेतृत्व में गठित टीम ने मुखबिरों का जाल बिछाया और तकनीकी साक्ष्यों की मदद से 12 अप्रैल को आरोपी को उसके सुरक्षित ठिकाने से दबोच लिया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी जियाउल हक खान, सउनि गया प्रसाद कन्नौजे, प्रआर पंजाब सिंह और आरक्षक राजीव सिंह की विशेष और सराहनीय भूमिका रही। ब्यौहारी पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई की नगर में प्रशंसा हो रही है।

शहडोल में भारत आदिवासी पार्टी का बड़ा हल्ला बोल

गृहमंत्री के सरेंडर वाले बयान पर भडक़ा आदिवासी समाज

शहडोल। भारतीय राजनीति में आदिवासियों की अस्मिता और स्वाभिमान को लेकर अब आर-पार की जंग छिड़ गई है। देश के गृहमंत्री अमित शाह द्वारा संसद में बांसवाड़ा-डूंगरपुर सांसद राजकुमार रोत के खिलाफ की गई अमर्यादित टिप्पणी ने पूरे आदिवासी समाज में आक्रोश की ज्वाला भडक़ा दी है। सोमवार को शहडोल में भारत आदिवासी पार्टी ने कड़ा रुख अपनाते हुए राष्ट्रपति के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और सीधे शब्दों में चेतावनी दी कि आदिवासियों को नक्सली बताने वाली मानसिकता को अब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मामला 30 मार्च 2026 का है, जब संसद में वामपंथी उग्रवाद पर चर्चा के दौरान गृहमंत्री ने सांसद राजकुमार रोत को संबोधित करते हुए कहा था कि आप चुनाव लडक़र यहां बैठे हैं, नहीं तो आप भी सरेंडर की लिस्ट में होते। इस बयान को भारत आदिवासी पार्टी ने पूरे समुदाय के चरित्र हनन की कोशिश करार दिया है। पार्टी के जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंह मरावी ने तल्ख लहजे में कहा कि यह टिप्पणी न केवल एक जन-प्रतिनिधि का अपमान है, बल्कि यह करोड़ों आदिवासियों को अपराधी और नक्सली साबित करने की एक सोची-समझी साजिश है। बीएपी नेताओं ने दो-टूक कहा कि जब भी आदिवासी अपने जल-जंगल-जमीन और 5 वीं-6 वीं अनुसूची के संवैधानिक अधिकारों की बात करता है, तो उसे नक्सलवाद का ठप्पा लगाकर दबाने की कोशिश की जाती है। ज्ञापन में मांग की गई है कि गृहमंत्री इस आपत्तिजनक बयान पर सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण दें। संसद के रिकॉर्ड से इस अमर्यादित टिप्पणी को तत्काल हटाया जाए। भविष्य में किसी भी समुदाय के प्रति ऐसी बयानबाजी रोकने के लिए सख्त दिशानिर्देश जारी हों।

शहडोल कलेक्टर कार्यालय पहुंचे कार्यकर्ताओं के तेवर काफी तल्ख थे। पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि आदिवासी समाज ने हमेशा संविधान और लोकतंत्र में विश्वास रखा है, लेकिन अगर सत्ता के मद में चूर होकर कोई उनके स्वाभिमान को ठेस पहुंचाएगा, तो इसका जवाब सडक़ से संसद तक दिया जाएगा। क्षेत्र में यह चर्चा आम है कि यदि इस मामले में जल्द माफी या सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में यह विरोध प्रदर्शन उग्र रूप ले सकता है।

झोपड़ीनुमा किराना दुकान जलकर खाक

शहडोल। जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र अंतर्गत खड्डा गांव में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक गरीब दुकानदार की झोपड़ीनुमा किराना दुकान को अज्ञात उपद्रवियों ने आग के हवाले कर दिया। इस कायराना हरकत में दुकानदार की जमा-पूंजी और हजारों का सामान जलकर राख हो गया है।

पीड़ित सालिकराम पटेल खड्डा गांव में सडक़ किनारे छोटी सी दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। रविवार रात जब वे दुकान बंद कर घर गए, तब पीछे से किसी ने नफरत की आग सुलगा दी। सोमवार सुबह जब सालिकराम दुकान खोलने पहुंचे, तो वहां केवल धुआं और राख के ढेर बचे थे। पेटियों में बंद किराना सामग्री पूरी तरह नष्ट हो चुकी थी।

पीड़ित ने गांव के ही कुछ संदिग्धों पर जानबूझकर आग लगाने का अंदेशा जताया है। हालांकि, उनका किसी से प्रत्यक्ष विवाद नहीं था, जिससे मामला और भी गंभीर हो गया है। घटना की सूचना मिलते ही ब्यौहारी पुलिस ने मौका मुआयना किया और अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस आगजनी ने न केवल एक दुकान जलाई है, बल्कि एक गरीब के भविष्य पर भी हमला किया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पुलिस तत्काल इन सफेदपोश अपराधियों को बेनकाब कर सलाखों के पीछे भेजे।

बेटी के हाथ पीले होने से पहले पिता का साथ छुटा

शहडोल। रफ्तार के कहर और बेलगाम वाहनों ने एक बार फिर एक हंसते-खेलते परिवार की खुशियों को श्मशान में तब्दील कर दिया। जैतपुर थाना क्षेत्र के चकौडिया गांव में हुआ यह हादसा सिर्फ एक एक्सीडेंट नहीं, बल्कि उन अज्ञात काल रूपी वाहनों के आतंक का प्रमाण है, जो सडक़ों पर बेखौफ दौड़ रहे हैं।

कार्ड बांटने निकले थे पिता, लौटी लाश

अनूपपुर जिले के भालूमंडा निवासी बाबूराम बैगा उम्र 45 वर्ष के घर में 27 अप्रैल को शहनाइयां बजने वाली थीं। पिता अपनी लाडली की शादी के कार्ड बांटकर रिश्तेदारों को खुशियों में शामिल होने का न्योता दे रहे थे। बिरौडी गांव में निमंत्रण देकर वे बाइक से निकले ही थे कि चकौडिया के पास एक अज्ञात खूनी वाहन ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी भयानक थी कि बाबूराम की मौके पर ही सांसें थम गईं। जिन हाथों से पिता को बेटी का कन्यादान करना था, उन्हीं हाथों में पकड़े शादी के कार्ड सडक़ पर खून से सन गए।

पुलिस के हाथ अब भी खाली

घटना के बाद जैतपुर पुलिस ने हमेशा की तरह मर्ग कायम कर खानापूर्ति शुरू कर दी है। थाना प्रभारी जय प्रकाश शर्मा सीसीटीवी खंगालने और तलाश की बात तो कह रहे हैं, लेकिन सवाल यह है कि आखिर ये हिट एंड रन के मामले कब रुकेंगे? जिस घर में मंगलगीत गूंजने थे, वहां अब चीख-पुकार मची है। इलाके में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। क्या पुलिस उस कातिल वाहन को ढूंढ पाएगी या यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

नदी से रेत चोरी करने वाली ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ाई

शहडोल। क्षेत्र में सक्रिय अवैध उत्खनन के सौदागरों के खिलाफ जयसिंहनगर पुलिस ने एक बार फिर कड़ा प्रहार किया है। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस ने हलफल नदी से अवैध रेत की चोरी कर रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को घेराबंदी कर जब्त किया है। पकड़े गए वाहन और रेत की कुल कीमत 3 लाख 3 हजार रुपये से अधिक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, 12 अप्रैल को थाना प्रभारी अजय कुमार बैगा को सूचना मिली थी कि हलफल नदी से रेत का अवैध परिवहन हो रहा है। पुलिस ने तत्काल जाल बिछाया और गिरूबड़ी मार्ग पर चेकिंग लगा दी। इसी दौरान एक बिना नंबर का पावरट्रेक ट्रैक्टर पुलिस के हत्थे चढ़ गया, जिसमें 3 घनमीटर अवैध रेत लदी थी। ट्रैक्टर चालक राहुल द्विवेदी उम्र 24 वर्ष पुलिस को देखकर सकपका गया। जब पुलिस ने रेत के वैध दस्तावेज मांगे, तो चालक के पास केवल खामोशी थी। आरोपी ने अवैध उत्खनन की बात कबूल ली है, जिसके बाद पुलिस ने वाहन को राजसात करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। इस बड़ी कार्रवाई में निरीक्षक अजय कुमार बैगा के नेतृत्व में सउनि प्रमोद कुमार, प्रआर नंदकुमार, आरक्षक ऋषिकांत और अंकित यादव की भूमिका रही। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र के रेत माफियाओं में हडक़ंप मच गया है।

महुआटोला के जंगल में सरेआम जान से मारने की धमकी, दहशत में परिवार

शहडोल। रसूख और सत्ता की हनक जब सिर चढक़र बोलने लगे, तो कानून के रक्षक भी भक्षक बन जाते हैं। ऐसा ही एक खौफनाक मामला जयसिंहनगर जिले के ग्राम महुआटोला से सामने आया है, जहां भाजपा मंडल उपाध्यक्ष और वन विभाग के एक बीट गार्ड ने मिलकर एक साधारण ग्रामीण का जीना मुहाल कर दिया है। पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक को शिकायती पत्र सौंपकर अपनी और अपने परिवार की जान बचाने की गुहार लगाई है।

घटना बीते 9 अप्रैल की है, जब महुआटोला निवासी संजय जायसवाल जंगल में लकड़ी बिक्री के दौरान पहुंचा था। आरोप है कि वहां मौजूद भाजपा मंडल उपाध्यक्ष नारायण केवट ने पीड़ित को देखते ही आपा खो दिया और गालियां देते हुए टॉगी (कुल्हाड़ी) लेकर उसे जान से मारने के लिए दौड़ाया। पीड़ित ने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन दहशत का खेल यहीं खत्म नहीं हुआ।

हैरानी की बात यह है कि जंगल की सुरक्षा के लिए तैनात बीट गार्ड नारायण यादव, अपराधियों को रोकने के बजाय पीड़ित को ही धमकाने लगा। बीट गार्ड ने सरेआम कहा तुझे लकड़ी वैसे भी नहीं देंगे और सरकारी कर्मचारी होने के नाते तुझे झूठे मुकदमे में फंसा दूंगा। सत्ता और सिस्टम के इस गठजोड़ ने न्याय की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

पीड़ित संजय जायसवाल ने बेहद गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि आरोपी नारायण केवट ने उसे धमकी दी कि तेरे बाप की हत्या कर दी तो क्या उखाड़ लिया? शिकायत की तो तुझे, तेरे भाई और मां को भी जान से मारकर फेंक देंगे। बता दें कि पीड़ित के पिता की हत्या का मामला पहले से ही न्यायालय में विचाराधीन है।

अपनी और परिवार की सुरक्षा को लेकर भयभीत पीड़ित ने 13 अप्रैल को एसपी कार्यालय पहुंचकर न्याय की मांग की है। पीड़ित का कहना है कि आरोपी बीट गार्ड अपने पद का दुरुपयोग कर निजी दुश्मनी निकाल रहा है, जिसे तत्काल वहां से हटाया जाना चाहिए। अब देखना यह है कि क्या शहडोल पुलिस इस रसूखदार गुंडागर्दी पर लगाम कसेगी या पीड़ित परिवार किसी अनहोनी का शिकार होगा?

खबर संक्षेप

जिले के भ्रमण पर आज रहेंगे प्रभारी मंत्री

उमरिया। प्रदेश शासन के अनुसूचित जाति कल्याण विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान एक दिवसीय भ्रमण पर 14 अप्रैल को उमरिया आएंगे । श्री चौहान नर्मदा एक्सप्रेस से प्रातः 8.30 बजे उमरिया स्टेशन पहुंचेंगे जहां से कार आव्दारा सर्किट हाउस के लिए रवाना होंगे। प्रातः 11 बजे भारत रत्न डा भीमराव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। प्रातः 11.20 बजे जागरूकता वाहन रैली में शामिल होगे।दोपहर 12 बजकर 5 मिनट पर भारत रत्न भीम राव अंबेडकर जी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होगे । दोपहर 2.45 बजे जिला पंचायत उमरिया में आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में भाग लेगे । सायं 4.30 बजे उमरिया से ग्राम कौडिय़ां के लिए प्रस्थान करेगे । कार्यक्रम में भाग लेने के पश्चात सायं 5.30 बजे ग्राम कौडिया से कार व्दारा भोपाल के लिए रवाना होंगे।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर आज माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम होगा आयोजित

उमरिया। जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में 14 अप्रैल को प्रातः 11 बजे भारत रत्न डा भीम राव अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण , पुष्पांजलि तथा 11.20 बजे से जागरूकता रैली का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। रैली प्रतिमा स्थल से जय स्तंरभ चौक, गांधी चौक होते हुए जिला स्तरीय कार्यक्रम स्थल मंगल भवन उमरिया पहुंचेगी। सीईओ जिला पंचायत ने कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु अधिकारियों,कर्मचारियों को दायित्व सौंपे हैं। उन्होंने कहा है कि समस्त अधिकारी सौपे गये दायित्वों का पूर्ण निष्ठा से निर्वहन करेंगे एवं आवश्यकतानुसार अपने स्तर से अधीनस्थ कर्मचारियों का आवश्यक सहयोग ले सकेंगे।

धूमधाम से मनाई जायेगी बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती

कोतमा। बाबा साहेब डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल यानी आज धूमधाम से मनाई जायेगी। नगर सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे अंबेडकर जयंती मनाये जाने को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। जगह जगह कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा साथ ही शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों मे भी कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

हरिकेश सिंह गुर्जर की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु किया गया श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

बिजुरी। 13 अप्रैल को वन परिक्षेत्र बिजुरी के कर्मचारियों द्वारा 08 अप्रैल को वनमंडल मुरैना में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन रोकने की कार्यवाही के दौरान शहीद हुए वनरक्षक साथी स्वर्गीय हरिकेश सिंह गुर्जर की दिवंगत आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। परिक्षेत्र के समस्त कर्मचारियों द्वारा दिवंगत आत्मा की शांति हेतु 2 मिनट का मौन रखकर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की साथ ही परिवार जनों को भावनात्मक एवं अर्थिक सहयोग करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि 08 अप्रैल वनमंडल मुरैना में रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन रोकने की कार्यवाही के दौरान रेत माफियाओं द्वारा हरिकेश सिंह गुर्जर वनरक्षक के सिर पर ट्रैक्टर चढ़ा कर जघन्य हत्या कर दी थी।

संयुक्त कलेक्ट्रेट परिसर का निरीक्षण कर अधिकारियों से की चर्चा

नवागत कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने किया पदभार ग्रहण

उमरिया। नवागत कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने सोमवार को पदभार ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि शासन की सभी योजनाओं का लाभ नागरिकों तक समयबद्ध रूप से पहुंचे और विकास अंतिम छोर तक सुनिश्चित हो, यह उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने उल्लेख किया कि उमरिया आदिवासी बाहुल्य जिला है, जहां कार्य की व्यापक संभावनाएं हैं, और वे पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ जिले के समग्र विकास में योगदान देंगी।पदभार ग्रहण करने के उपरांत कलेक्टर श्रीमती सहाय ने कलेक्ट्रेट परिसर में स्टेनो कक्ष, जनजातीय कार्य विभाग, अपर कलेक्टर कार्यालय, संयुक्त कलेक्टर कार्यालय, एसडीएम कार्यालय, तहसील कार्यालय, महिला एवं बाल विकास विभाग, खाद्य शाखा, जनसंपर्क विभाग, आबकारी विभाग, डीपीसी कार्यालय, सहकारिता विभाग, रिकॉर्ड

रूम, जिला योजना सांख्यिकीय विभाग, आवक-जावक शाखा सहित विभिन्न

विभागों का निरीक्षण किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।निरीक्षण उपरांत

उन्होंने कलेक्टर सभागार में अधिकारियों की बैठक लेकर शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में निर्देश दिए। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर पी.के. सेनगुप्ता, संयुक्त कलेक्टर अमित सिंह, एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ़ अम्बिकेश प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग पूजा द्विवेदी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वस्थ्य व्यंजनों का प्रदर्शन कर कुकिंग प्रतियोगिता का किया गया आयोजन

पोषण पखवाड़ा के तहत कार्यक्रम संपन्न

उमरिया। पोषण पखवाडा के तहत महिला एवं बाल विकास विभाग व्दारा जिले कि आंगनवाड़ी केंद्रों पर थीम अनुसार स्थानीय खाद सामग्रियों का उपयोग कर स्वस्थ्य व्यंजनों का प्रदर्शन और कुकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया हैं। गतिविधि के दौरान आगनबाडी केन्द्रो पर गांव की महिलाओं, बच्चो के दादा-दादी नाना-नानी बच्चों व उपस्थित जन को पोषण के बारे मे विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान बताया गया कि स्वस्थ व्यंजन बनाना न केवल पौष्टिक है बल्कि यह हमारे पारंपरिक ज्ञान और पर्यावरण के लिए भी बेहतर है। खाद्य सामग्री वह पदार्थ है. जिसे किसी वांछित प्रभाव को प्राप्त करने के लिए भोजन में मिलाया जाता पर्यवेक्षक द्वारा केन्द्रों पर उपस्थितजनों को उचित पोषण एवं पोषण युक्त खाद्य पदार्थों की जानकारी गई।

जल गंगा संवर्धन अभियान को गति देने सेक्टर 4 व 5 की बैठक सम्पन्न, कार्ययोजना पर हुआ मंथन

बदरा/जमुना। जन अभियान परिषद के नेतृत्व में विकासखंड अनूपपुर के ग्राम पंचायत बरतराई में सेक्टर क्रमांक 4 एवं 5 की संयुक्त सेक्टर स्तरीय बैठक आयोजित की गई बैठक में नवांकुर संस्था पसान एवं अभिनव समाज सेवी संस्था की सक्रिय भागीदारी रही। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जल गंगा संवर्धन अभियान (द्वितीय चरण) के अंतर्गत आगामी कार्ययोजना तैयार करना और जमीनी स्तर पर गतिविधियों को तेज करना रहा। बैठक के दौरान उपस्थित प्रतिनिधियों को अभियान के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें अधिक सक्रियता से कार्य करने के लिए प्रेरित किया गया जिन समितियों के सूचना बोर्ड अभी तक नहीं बनाए गए हैं, उन्हें शीघ्र तैयार कराने के निर्देश दिए गए, ताकि योजनाओं की पारदर्शिता और जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति के सदस्य मुकेश कुमार गौतम द्वारा पास्को एक्ट, बच्चों के अधिकारों से संबंधित विभिन्न योजनाओं तथा स्पांसरशिप योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। परामर्शदाता शिवानी सिंह ने भी बच्चों के संरक्षण और अधिकारों को लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला इस अवसर पर नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि, प्रस्फुटन समिति सदस्य कृष्णा देवी के विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता रही बैठक में सभी ने मिलकर जल संरक्षण एवं सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

ऑल इंडिया वालीबॉल चैलेंजर्स टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच हुआ संपन्न

हरिभूमि न्यूज राजनगर। फ्रेंड्स यूनियन क्लब पौराधार के तत्वाधान, नगर परिषद डूमरकछार एवं संधान ट्रस्ट के सहयोग से ऑल इंडिया वालीबॉल चैलेंजर्स टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच 12 अप्रैल को निकाय अंतर्गत मुख्य दुर्गा पूजा पण्डाल, वॉलीबॉल ग्राउंड पौराधार मे संपन्न हुआ। मैच का शुभारंभ भारत माता के छाया चित्र पर पुष्प सुमन अर्पित कर, दीप प्रज्वलित स्वागत नन्हे बच्चियों के द्वारा स्वागत नृत्य, राष्ट्रगान के उपरांत किया गया। कार्यक्रम मे महाप्रबंधक हसदेव क्षेत्र एसईसीएल मनोज विश्नोई, मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगर परिषद एवं जिला योजना समिति के सदस्य डॉ. सुनील कुमार चौरसिया की अध्यक्षता, विशिष्ट अतिथि एसओ ईएंडएम हासे क्षेत्र एपी सिंह, अध्यक्ष नगर पालिका पसान राम अवध सिंह, अध्यक्ष नगर परिषद बनगवां यशवंत सिंह, मुख्य नगर पलिका अधिकारी बनगवा लखन पनिका, भाजपा मण्डल अध्यक्ष कमलेश चतुर्वेदी, भाजपा मण्डल कोतमा नगर प्रभारी राजेश कलशा, आशीष पांडे, एसओ. सिविल विश्वकर्मा जी, एचएन द्विवेदी (सिविल इंजीनियर), श्रमिक नेता सुनील पाण्डेय, शोभनाथ तिवारी, जेपी श्रीवास्तव व अन्य जनप्रतिनिधि, ट्रेड यूनियन लीडर, राजनीतिक पार्टी के पदाधिकारी अतिथि के रूप मे उपस्थित रहे। मंचासीन अतिथियों का फ्रेंड्स यूनियन क्लब पौराधार, आयोजकर्ता एवं परिषद के कर्मचारियों ने माल्यार्पण, चंदन वंदन कर स्वागत किया। व्हालीबाल प्रतियोगिता 2026 उद्घाटन मैच का

शुरुआत 12 अप्रैल से हुआ है जिसका फाइनल मैच 15 अप्रैल को संपन्न होना सुनिश्चित है, मैच के प्रथम दिन उद्घाटन मैच मे उत्तराखंड एकेडमी गर्ल्स टीम विरुद्ध आर.एन.सी क्लब नागपुर तथा रविंद्र भारत एकैडमी कोलकाता विरुद्ध रायपुर छत्तीसगढ़ के बीच मुकाबला हुआ। जिसमे उत्तराखंड की टीम ने नागपुर टीम को 2-0 एवं कलकाता की टीम ने रायपुर छत्तीसगढ़ की टीम को 2-1 से हराया। उत्तराखंड एवं नागपुर टीम ने उद्घाटन मैच मे बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल की। इस अवसर पर निकाय के सभापति रवि सिंह, योगेश पालीवाल, आयोजगण एरिया अध्यक्ष एचएमएस सत्यदेव सिंह, रामनारायण यादव, रमेश सिंह, ठाकुर राम, आलोक मित्रा (केष्टो), अनुप सिंह, सुदामा यादव, शिवपूजन सिंह चौहान, भरत भूषण सिंह एवं खेल प्रेमी देवेंद्र लाल सिंह, दीवाकर सिंह, सुजीत पाण्डेय, अशोक वर्मा, संजीत दूबे, आशीष राव, करूणा सिंह, धर्मेंद्र गुप्ता, वेद प्रकाश पाठक, अजय सिंह, व्यवस्था मे लगे नन्हे खेल प्रेमी आर्यन, मुन्ना, आयुश, राजा, समी, मनीष, समीर, उज्जवल, अरविंद, दीपक परिषद के कर्मचारी सत्येन्द्र चौहान, एजाज अहमद, टुन्ना नायक, मुन्ना पाल, राकेश अगरिया, महेश हरिजन, अजीत शुक्ला, दीपक साह, पवन गौतम तथा आस-पास के क्षेत्र से पहुंचे खेल प्रेमी समेत बड़ी संख्या मे लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन अखिलेश सिंह परिहार एवं अनुप सिंह के द्वारा किया गया। महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों का फाइनल मुकाबला 15 अप्रैल को खेला जाएगा आयोजन समिति ने अधिक से अधिक खेल प्रेमियों को फाइनल मुकाबले में को देखने के लिए आग्रह किया है।

गर्मी ने दिखाना शुरू कर दिया अपना असर

तेज धूप के कारण लगातार बढ़ रहा दिन का तापमान

हरिभूमि न्यूजकोतमा। अप्रैल की शुरुआत से ही गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। अप्रैल के दूसरे सप्ताह सूर्य की तेज धूप के कारण दिन का तापमान लगातार बढ़ रहा है। गर्मी से बचने के लिए लोग दोपहर में घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। कोतमा नगर में दोपहर में सड़कें सूनी नजर आ रही है। लेकिन वर्तमान में शादी ब्याह का मूहूर्त होने के कारण लोग दोपहर मे भी दुकानों में खरीददारी करने पहुंच रहे है। धूप से बचने के लिए चेहरे को ढककर निकल रहे हैं। स्थानीय लोग गर्मी से राहत पाने के लिए खीरा और ककड़ी का सहारा ले रहे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, खीरा शरीर में पानी की कमी को पूरा करने में मदद करता है। बाजार में खीरा 15-20 रुपये प्रति किलो और ककड़ी 40 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रही है। शहर के चौक-चौराहों पर नींबू पानी और शिकंजी के ठेले लग गए हैं। बाजार में आम, तरबूज और अंगूर की दुकानें भी सज गई हैं। सब्जी मंडी से लेकर सड़क किनारे तक ठंडे फलों की बिक्री जोरों पर है। नगर में जगह-जगह चिलचिलाती धूप मे सड़कों पर दुकानदारों के द्वारा खीरा ककड़ी

तरबूज की दुकान मे बैठकर बिक्री कर रहे हैं। चिलचिलाती धूप के कारण दोपहर में सड़कें वीरान नजर आ रही हैं। गर्मी से बचने के लिए लोग घरों में रहना पसंद कर रहे हैं। नगर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी लोग गर्मी से परेशान हैं।

गर्मियों का मौसम आते ही बाजार में चारों ओर मौसमी फल और सब्जियां दिखाई देने लगती है. इस बार बाजार में खीरे की भरमार देखने को मिल रही है. गर्मी में इसकी बिक्री बढ़ जाती है. क्योंकि खीरा भरी गर्मी में शरीर में पानी की कमी को पूरा कर ठंडक देता है. यही वजह है कि गर्मी के मौसम में लोग रोजाना अपने डाइट में खीरे को शामिल करते हैं। गर्मियों में अक्सर प्यास बहुत ज्यादा लगती है इसलिए लोग ठंडी चीजें खाना पसंद करते हैं. खीरा हमारे शरीर के लिए बेहद फायदेमंद भी होता है. खीरा में पानी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, इसलिए खीरा खाने से शरीर को पानी मिलता है. शायद यही वजह है कि खीरा गर्मियों में सबसे ज्यादा खाया जाता है. यह बॉडी को डिटॉक्स करने, बॉडी में ठंडक बनाए रखने और स्किन केयर में लाभदायक होता है। कुछ लोग खीरा खाने के साथ-साथ चेहरे पर लगाते भी हैं. खीरे को काटकर उसे आंखों के ऊपर लगाकर कुछ मिनट तक रखा जाता है. ऐसा माना जाता है कि इनके स्लाइस को आंखों के ऊपर रखने से आपको आंखों के अंदर होने वाली जलन से राहत मिलती है और ठंडक महसूस होता है. शायद यही वजह है कि लोग स्किन रूटीन में भी खीरा का इस्तेमाल करते हैं ।

ठेका होने के बावजूद अधर में लटका जमुना कॉलोनी वर्कर्स क्लब का जीर्णोद्धार

कालरी प्रबंधन पर उठे सवाल, कालरी प्रबंधन की उदासीनता से बढ़ रही जर्जरता

हरिभूमि नयूज बदरा/जमुना। जमुना कॉलोनी स्थित वर्कर्स क्लब, जो कभी अपनी मजबूत संरचना और आकर्षक डिजाइन के लिए क्षेत्र में विशेष पहचान रखता था, आज बदहाली का शिकार बना हुआ है। यह क्लब वर्षों तक विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रमुख केंद्र रहा, लेकिन अब इसकी हालत दिन-ब-दिन जर्जर होती जा रही है। हैरानी की बात यह है कि क्लब के जीर्णोद्धार के लिए कालरी प्रबंधन द्वारा ठेका भी दिया जा चुका है, इसके बावजूद अब तक कार्य शुरू नहीं किया गया है। ठेका प्रक्रिया पूरी होने के बाद भी निर्माण कार्य का प्रारंभ न होना प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए श्रीकांत शुक्ला ने कहा कि यदि जल्द ही जीर्णोद्धार कार्य

शुरू नहीं किया गया, तो भवन की स्थिति और अधिक खराब हो सकती है, जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन करना कठिन हो जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि वर्कर्स क्लब केवल एक भवन नहीं, बल्कि श्रमिकों और स्थानीय लोगों की सामाजिक गतिविधियों का केंद्र है। इसकी अनदेखी से क्षेत्र की सांस्कृतिक गतिविधियां प्रभावित हो रही हैं। श्री शुक्ला ने कालरी प्रबंधन से मांग की है कि ठेका दिए जाने के बाद भी लंबित पड़े कार्य को तत्काल शुरू कराया जाए और वर्कर्स क्लब को उसकी पुरानी पहचान वापस दिलाई जाए, ताकि क्षेत्र में कार्यक्रमों का संचालन सुचारू रूप से हो सके।

पाली महाविद्यालय में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा अंतर्गत व्याख्यानमाला का हुआ आयोजन

उमरिया। कार्यालय आयुक्त उच्च शिक्षा विभाग से प्राप्त निर्देश के तारतम्य में शासकीय महाविद्यालय बिरसिंहपुर पाली में नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा अंतर्गत एक जन -जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उल्लेखनीय है की शासन से प्राप्त निर्देशानुसार नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा दिनांक 10 अप्रैल से 25 अप्रैल तक दो चरणों मे मनाया जाना है जिसमे प्रथम चरण 10 से 13 अप्रैल 2026 में नारी शक्ति अधिनयम 2023 के विभिन्न प्रावधानों पर व्याख्यानमाला का आयोजन किया जाना है। वहीं द्वितीय चरण 13 से 25 अप्रैल 2026 में कानूनी अधिकार, वित्तीय साक्षरता, साइबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर लैंगिक समानता, पोस्टर निबंध प्रतियोगिता, उद्यमिता प्रदर्शनी, आत्मरक्षा एवं शारीरिक सशक्तिकरण इत्यादि

कार्यक्रम शामिल है। प्रथम चरण के अंतर्गत आज के व्याख्यानमाला कार्यक्रम में बोलते हुए प्राचार्य प्रो हरलाल अहिरवार ने कहा कि संविधान निर्माता डॉ आंबेडकर ने भारतीय संविधान में महिला अधिकारों को प्रमुखता दी है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण एवं डॉ अम्बेडकर विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये। डॉ जयंती पयासी ने अपने वक्तव्य में महिला अधिकारों के संवैधानिक विकास पर विस्तार से चर्चा की। डॉ जेपीएस चौहान ने नारी को शक्ति का रूप बतलाते हुए कहा कि नारी हर रूप में सम्मान प्राप्ति की हकदार है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ मंसूर अली ने बताया कि नारी शक्ति वंदन पखवाड़ा का आयोजन भारत सरकार के नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से प्रारंभ किया गया है। जिसमे विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को डॉ त्रिभुवन गिरि, डॉ नरेश शुक्ला, डॉ शिवराज सिंह आदि ने भी संबोधित किया।

खबर संक्षेप

अवैध निर्माण पर 60 लाख का लगा जुर्माना

कटनी। शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ नगर निगम ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार के निर्देश पर बरगवां क्षेत्र में नियमों के विरुद्ध निर्मित एक भवन पर लगभग 60 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। जानकारी के अनुसार संबंधित भवन निर्माण नगर निगम की निर्धारित अनुमति एवं भवन निर्माण नियमों की अनदेखी कर किया गया था। जांच के बाद इसे अवैध निर्माण की श्रेणी में पाते हुए निगम प्रशासन ने यह कार्रवाई की। नगर निगम की इस कार्रवाई को प्रशासन का सख्त संदेश माना जा रहा है। आम नागरिक जहां भवन निर्माण नियमों का पालन करते हैं, वहीं कुछ प्रभावशाली लोग रसूख के दम पर नियमों की अनदेखी करते रहे हैं। निगम की कार्रवाई ने स्पष्ट कर दिया है कि कानून सभी के लिए समान है। नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार ने बताया कि शहर में अवैध निर्माण के कई अन्य मामलों को चिन्हित किया गया है। आने वाले समय में ऐसे निर्माणों के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर निगम की इस कार्रवाई के बाद शहर में अवैध निर्माण करने वालों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है।

जिले भर में ग्राम सभाओं का आज होगा आयोजन

कटनी। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भोपाल से प्राप्त निर्देशों के मुताबिक एवं मध्यप्रदेश पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम 1993 की धारा 6 में निहित प्रावधानों के अंतर्गत 14 अप्रैल 2026, अंबेडकर जयंती को जिले की सभी ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं को आयोजित करने के आदेश कलेक्टर आशीष तिवारी ने जारी किए हैं। कलेक्टर श्री तिवारी ने ग्राम सभाओं में नियमित एजेंडा और स्थानीय कार्यसूची को सम्मिलित करते हुए पूर्व में नियुक्त स्थाई नोडल अधिकारियों के माध्यम से राज्य शासन के निर्देशानुसार ग्राम सभाओं का आयोजन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश नोडल अधिकारियों, ग्राम पंचायतों के सरपंच और सचिवों को दिए हैं। जिला पंचायत की सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर ने ग्राम सभाओं में ग्रामीणों की अधिकतम भागीदारी हेतु व्यापक प्रचार प्रसार एवं आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित किए जाने के निर्देश समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को दिए हैं। ग्राम सभाओं के आयोजन के संबंध में समस्त अनुभाग के अनुविभागीय अधिकारी, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों और समस्त ग्राम पंचायतों को पालन करने हेतु आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने निर्देशित किया गया है।

घायल व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचायें, 25 हजार की राशि मिलेगी

कटनी। सड़क दुर्घटना में पीड़ित घायल व्यक्ति के सही समय पर अस्पताल न पहुंचने के कारण घायल व्यक्ति की मृत्यु तक हो जाती है। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने मे आम नागरिकों को यह भय रहता है कि वे भी पुलिस कार्यवाही के भागी बन जायेंगे अर्थात घायल को अस्पताल पहुंचाने की मदद करने वाले व्यक्ति से पुलिस द्वारा पुछताछ की जायेंगी, जिस कारण से आम नागरिक चाहते हुए भी पुलिस कार्यवाही के भय से सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति को अस्पताल में ले जाने से कतराते है, किन्तु ऐसा नही है। मध्य प्रदेश शासन द्वारा सड़क दुर्घटना में गम्भीर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाने वाले राहवीर को 25 हजार रुपये एवं प्रशस्ती पत्र प्रदान करने का प्रावधान किया गया है। प्रदेश शासन द्वारा सड़क दुर्घटना में पीड़ित व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में त्वरित उपचार कराने के उद्देश्य से राहवीर योजना लागू की गई है, ताकि सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से पीड़ित को अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को प्रोत्साहन स्वरूप राशि प्रदान की जा सके। इस योजना के अंतर्गत सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल व्यक्ति को अस्पताल ले जाने वाले व्यक्ति को राहवीर की परिभाषा मे शामिल किया गया है। सड़क दुर्घटना में गम्भीर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल लाने वाले राहवीर को 25 हजार रुपये एवं प्रशस्ती पत्र प्रदान करने का प्रावधान है।

बर्खास्त शिक्षक की दबंगई: बीईओ कार्यालय में घुसकर लेखापाल को पीटा, पुलिस ने दर्ज किया मामला

बुढार। विकास खंड शिक्षा कार्यालय (BEO Office) में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक बर्खास्त शिक्षक ने कार्यालय के अंदर घुसकर लेखापाल (Accountant) के साथ न केवल गाली-गलौज की, बल्कि उनके साथ जमकर मारपीट भी की। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

क्या है पूरा मामला

एएसआई गिरीश शुक्ला से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को बीईओ कार्यालय के लेखापाल विकास मिश्रा ने थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के मुताबिकःविवाद का कारणः आरोपी अरविंद सिंह चौहान, जो कि एक बर्खास्त सहायक शिक्षक है, दोपहर करीब 3:45 बजे कार्यालय पहुंचा और अपने रुके हुए भुगतान (Claim) की मांग करने लगा।मारपीटः जब लेखापाल ने तकनीकी कारणों से भुगतान में देरी होने की बात कही, तो अरविंद सिंह भड़क गया। उसने अपशब्दों का प्रयोग करते हुए विकास मिश्रा के साथ मारपीट शुरू कर दी।चोटें: हमले में लेखापाल के मुंह से खून निकल आया और उनके हाथों में भी गंभीर चोटें आई हैं। कार्यालय में मौजूद अन्य कर्मचारियों ने बीच-बचाव कर मामले को शांत कराया।

पुलिसिया कार्रवाई

पुलिस ने आरोपी बर्खास्त शिक्षक अरविंद सिंह के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (BNS) की निम्नलिखित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है:धारा 296: (अश्लील कृत्य/गाली-गलौज),धारा 115(2): (स्वेच्छा से चोट पहुंचाना)धारा 351: (जान से मारने की धमकी देना)

जिम्मेदारों की चुप्पी पर उठे सवाल

हैरानी की बात यह है कि कार्यालय परिसर के भीतर कर्मचारी के साथ हुई इस हिंसक घटना के बाद भी उच्च अधिकारी उदासीन नजर आ रहे हैं।बड़ा सवालः इस घटनाक्रम की पूरी जानकारी विकास खंड शिक्षा अधिकारी (BEO) को है, लेकिन उनकी ओर से अब तक कोई ठोस विभागीय पहल या कड़ा रुख नहीं अपनाया गया है। कर्मचारियों में इस बात को लेकर डर और रोष है कि यदि दफ्तर के अंदर ही स्टाफ सुरक्षित नहीं है, तो भविष्य में ऐसी किसी बड़ी अनहोनी का जिम्मेदार कौन होगा?

मेधावी छात्रा अमायरा खान ने रचा सफलता का इतिहास, 98% अंकों के साथ जिले में बढ़ाया मान

बुढ़ार/धनपुरी। कोयलांचल क्षेत्र के शिक्षा जगत में एक और उज्ज्वल सितारा चमक उठा है। क्लासिक पब्लिक इंग्लिश मीडियम स्कूल, धनपुरी की होनहार छात्रा अमायरा खान ने कक्षा 2वीं की परीक्षा में 98% अंक प्राप्त कर अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है। इस शानदार उपलब्धि से न केवल उनके परिवार में खुशी का माहौल है, बल्कि पूरे नगर का गौरव भी बढ़ा है।

परिश्रम और संस्कारों की जीत

अमायरा खान, पिता आदिल खान और माता सोफिया खान की सुपुत्री हैं। उनकी इस सफलता ने यह सिद्ध कर दिया है कि यदि बचपन से ही लगन, कठिन परिश्रम और सही संस्कारों का संगम हो, तो सफलता निश्चित रूप से कदम चूमती है। मध्य प्रदेश बोर्ड के अंतर्गत मिली इस उपलब्धि में अमायरा ने अपनी मेधावी प्रतिभा और अनुशासित अध्ययन के बल पर विद्यालय की अंकसूची में सभी विषयों में A+ ग्रेड हासिल किया है।

बहुमुखी प्रतिभा की धनी

विद्यालय परिवार ने अमायरा की इस सफलता पर हर्ष व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। शिक्षकों के अनुसारःअमायरा न केवल पढ़ाई में अव्वल हैं, बल्कि अनुशासन और विनम्रता में भी मिसाल हैं।,वह सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों (Extra-curricular activities) में भी हमेशा अग्रणी रहती हैं।,उनकी यह उपलब्धि अन्य छोटे बच्चों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत बनेगी।

नगर और परिवार में हर्ष की लहर

इस गौरवपूर्ण अवसर पर परिवार के सभी सदस्यों—दादा-दादी, नाना-नानी, बड़े पापा-बड़ी मम्मी, चाचा, बुआ एवं इष्टमित्रों ने लाडली अमायरा को अपना शुभाशीष प्रदान किया। नगर के प्रबुद्धजनों ने भी इस सफलता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी नन्ही प्रतिभाएं ही भविष्य के सुदृढ़ समाज की नींव रखती हैं।

सीईओ की अध्यक्षता में समय सीमा की बैठक संपन्न

उमरिया। सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर सभागार में समय सीमा की साप्ताहिक बैठक संपन्न हुई। उन्होंने कहा कि शिकायतों को संतुष्टिपूर्वक बंद किया जाए। बैठक में उन्होंने मुख्यमंत्री निवास से प्राप्त आवेदनों,आयुक्त शहडोल संभाग

कार्यालय से प्राप्त आवेदनों तथा जनसुनवाई,न्यायालयीन प्रकरणों,मानवाधिकार के पत्रों,फैक्ट न्यूज आदि की समीक्षा करते हुए जिला प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी दायित्वों का निर्वहन समय सीमा में अनिवार्य रूप से करें। बैठक में अपर कलेक्टर पी के सेनगुप्ता, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सीताराम सत्या,संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, अमित सिंह,एसडीएम मानपुर हरनीत कौर कलसी, एसडीएम बांधवगढ अंबिकेश प्रताप सिंह,एसडीएम पाली मीनाक्षी इंगले,डिप्टी कलेक्टर एवं जनपद सीईओ मानपुर प्रत्यूष श्रीवास्तव,डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज सहित अन्य जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बुढार में विधिक जागरूकता शिविर का किया गया आयोजन

बुढ़ार। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल में तहसील विधिक सेवा समिति द्वारा विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मा. काशीनाथ सिंह (अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल) के मार्गदर्शन में तथा मा.सुशील कुमार अग्रवाल जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष तहसील विधिक सेवा समिति बुढ़ार की अध्यक्षता में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया।इस अवसर पर - न्यायिक अधिकारी श्री लक्ष्मण रोहित, व्यवहार न्यायाधीश एवं डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल के चेयरमैन सी.एल. सरावगी, विद्यालय के प्राचार्य विनय मोहन उरमलिया शासकीय अधिवक्ता आलोक राय, अधिवक्ता याशिर कैफी की विशिष्ट उपस्थिति रही। विधिक जागरूकता शिविर के अवसर पर - डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल शुभागमन पर विद्यालय परिवार द्वारा मा. अतिथियों का तिलक वंदन कर स्वागत किया गया। शिविर अवसर पर डी.ए.वी. विद्यालय के छात्र-छात्राओं को संविधान के मूल अधिकार एवं मूल कर्तव्यों के बारे में विस्तार पूर्वक अवगत कराया गया, इसके साथ ही विधिक सेवा, पॉक्सो एक्ट, दस्तावेजीकरण, मोटर व्हीकल एक्ट सहित विभिन्न कानूनी विषयों पर भी विस्तार पूर्वक जागरूक किया गया तथा विद्यार्थियों को मोबाइल के दुष्प्रभावों के प्रति भी सचेत किया गया।

ज्ञान से भरा प्रेम ही, स्थायी कल्याणकारी एवं मोक्ष प्रदान करने वाला

अयोध्या पीठाधीश्वर श्री धराचार्य महाराज श्रीमद् भागवत कथा को सुन श्रद्धालुजन श्रद्धाभाव से झूम उठे

बुढार। नगर के मध्य स्थित दक्षिण मुखी श्री हनुमान मंदिर बुढार में आयोजित संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का नगर तथा आस-पास के श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धा एवं उत्साह पूर्वक लाभ अर्जित कर अपना जीवन शौभाग्य मय बनाया।

श्रीराम जानकी मंदिर बुढार के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज के सद्-प्रेरणा से श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह का आयोजन 7 अप्रैल से किया गया जो 13 अप्रैल तक चला।अयोध्या धाम से पधारे परम पूज्य श्री श्री 1008 श्री धराचार्य महाराज अशर्फी भवन अयोध्या पीठाधीश्वर ने संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कराया और कथा को सुन श्रोता श्रद्धाभाव से झूम उठे।श्रीमद् भागवत कथा के अन्तिम दिवस कथा का श्रवण कराते हुए अयोध्या पीठाधीश्वर श्री धराचार्य श्री महाराज ने कहाकि - "ज्ञान से भरा प्रेम ही" स्थायी, कल्याणकारी व मोक्ष प्रदान करने वाला होता है। अज्ञान से भरा प्रेम तो कामनाओं को बढ़ाने वाला, शारीरिक सुख में आसक्ति पैदा करने वाला है, यह अज्ञान से भरा प्रेम ही संसार के नाशवान वस्तुओं से प्रेम की तृष्णा पैदा कर मान-अपमान, सुख-दुःख, मान-प्रतिष्ठा के संघर्ष में फँसाता है; जहाँ पर अनाचार, पापाचार, शोषण जैसे कर्म अज्ञानता के साथ ही होते हैं, जिसका दुष्प्रभाव मानव समाज में अन्याय व शोषण के साथ देखने को मिलता है।
श्रीधराचार्य महाराज जी संगीतमय साप्ताहिक श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ में अध्यात्म प्रेमियों को कथा का श्रवण कराते हुए कहाकि - श्रीमद् भागवत पुराण की कथा हमारे सनातन जीवन शैली के लिये इसीलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि भगवान के जन्म या अवतार का कारण है कि - मानव अज्ञान भरे प्रेम से अपने को अलग करें, भगवान श्रीकृष्ण के व गोपियों के मध्य "ज्ञान भरे प्रेम" का स्मरण रासलीला के माध्यम से कराते हुये कहाकि - गोपियों के ज्ञान भरे प्रेम में त्याग है, समर्पण है, शरणागति है। "जीव का परमात्मा" से मिलन का, स्वयं को परमात्मा में विलीन करने का ज्ञान भरा प्रेम है।
यही मानव समाज में सहयोग, सहानुभूति, विश्वास, दया जैसे ईश्वरीय भाव पैदा कर समाज को कल्याणकारी पथ का निर्माण करते हैं, जो आने वाली पीढ़ी को एक संस्कार के रूप में परंपरा के रूप में मिलते हैं, जिससे मानव का कल्याण तो होता ही है, साथ में राष्ट्र की उन्नति भी होती है। बिना "ज्ञान" के न तो भक्ति ही होगी, न कर्म ही कल्याणकारी हो सकते हैं, वर्तमान मानव समाज को "ज्ञान से भरे प्रेम" की आध्यात्मिक शक्ति, ऊर्जा, विचारों की आवश्यकता है। दिग्भ्रमित होते मानव समाज को हमारे सद्ग्रंथों के आध्यात्मिक ज्ञान व संदेशों को नित्य पढ़ने व समझने की आवश्यकता है।
अयोध्या पीठाधीश्वर श्री धराचार्य जी महाराज श्री ने चन्द्रवंश भगवान श्री कृष्ण के जन्म, बाल-लीला, कंस वध सहित रुक्मणी विवाह के प्रसंगों का विस्तार सहित, उनके आध्यात्मिक मूल्यों के साथ सुन्दर वर्णन कर, तात्विक विश्लेषण कर, अध्यात्म प्रेमियों को भाव-विभोर कर दिया।
संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के पुण्य अवसर पर श्रीराम जानकी मंदिर के पूज्य महन्त श्री अर्जुन दास जी महाराज ने धर्मप्रेमियों को शुभाशीष प्रदान करते हुये कहाकि - कथा श्रवण मात्र से मानव का कल्याण होता है, इस तरह के आयोजन का लाभ श्रद्धाभाव से अर्जित करना चाहिये। श्रीमद् भागवत कथा सप्ताह के भव्य आयोजन में संयोजक पदम् सिंघानिया, अध्यक्ष पवन कुमार सोनी, पुजारी रुक्मणि गौतम, लखन गौतम, संरक्षक- उग्रभान अवस्थी, अशोक चतुर्वेदी, पुर्व पार्षद विक्रम बारी, अरविंद नायक, संजय गुप्ता, प्रकाश सिंह, अनिल सिंह चंदेल, शरद गुप्ता, सुरेंद्र जायसवाल, अजय गुप्ता, ओम सिंघानिया, सुधीर गुप्ता, रतन सोनी, संजय गुप्ता (पप्पू), अनुज गुप्ता, अखिलेश गुप्ता तथा समिति से जुड़े उत्साहियों की भरपूर सहभागिता रही।

नीति आयोग भारत सरकार प्रतिनिधि ने किया आकांक्षी विकासखंड मानपुर का भ्रमण

उमरिया । नीति आयोग भारत सरकार प्रतिनिधि सुश्री प्रज्ञा बाजपेयी ने अकांक्षी विकासखंड मानपुर का निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान उन्होने आंगनवाड़ी केंद्र, प्राथमिक शाला एवं माध्यमिक शाला , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उप स्वास्थ्य केंद्र एवं जनपद कार्यालय का भ्रमण किया गया।
भ्रमण के दौरान सुविधाओं और सेवाओं के बारे में समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। आंगनबाडी केंद्र के निरीक्षण के दौरान नीति आयोग द्वारा चलाए जा रहे संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आने वाले संकेत जैसे की महिला एवं बाल विकास में बच्चों के वजन दक्षता का मापन, टेक होम राशन के वितरण आंगनबाड़ी केंद्र में टॉयलेट्स की उपलब्धता, साथ ही आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छ पीने का पानी की उपलब्धता के बारे में विस्तृत निरीक्षण किया गया।
विद्यालय के निरीक्षण के दौरान विद्यालय में उपस्थित छात्र- छात्रों से बातचीत कर उनके पढ़ाई के बारे में चर्चा की गई एवं बालिका शौचालय का भी निरीक्षण किया गया और उनमें साफ सफाई रखने के निर्देश दिए गए ।
पशुपालन विभाग के अंतर्गत आने वाले संकेतकों में गो जातीय टीकाकरण के बारे में पशुपालन विभाग से चर्चा की गई एवं शत-शत गो जातीय टीकाकरण करवाने के निर्देश दिए गए।

तीन गांवों में 292 परिवारों को मिले नए बिजली कनेक्शन

उमरिया। जिले में धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जनजातीय क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं के विस्तार की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड द्वारा उमरिया वृत्त के अंतर्गत तीन ग्रामों में 292 पात्र परिवारों को नए घरेलू बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए।अभियान के तहत ग्राम बिछिया में 177, ग्राम दुलहरी में 65 और ग्राम बेली जमुहाई में 50 हितग्राहियों को विद्युत कनेक्शन दिए गए। इन कनेक्शनों के मिलने से अब ग्रामीणों को सुरक्षित और नियमित बिजली आपूर्ति मिल सकेगी, जिससे उनके दैनिक जीवन में सुधार आएगा।बिजली सुविधा मिलने से शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और

घरेलू कार्यों में सहूलियत बढ़ेगी। साथ ही स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा, जिससे ग्रामीणों की आय में वृद्धि होने की संभावना है। अधीक्षण अभियंता उमरिया वृत्त ने बताया कि यह अभियान शासन की महत्वपूर्ण योजना है, जिसका उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों का समग्र विकास करना है। उन्होंने कहा कि विभाग का प्रयास है कि कोई भी पात्र परिवार बिजली जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित न रहे।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि योजनाबद्ध सर्वे और त्वरित प्रक्रिया के माध्यम से यह कार्य तय समय सीमा में पूरा किया गया है। आने वाले समय में भी दूरस्थ और जनजातीय क्षेत्रों में शत-प्रतिशत विद्युतीकरण को प्राथमिकता दी जाएगी।

क्या 30 साल की सेवा के बाद भी शिक्षक 'अयोग्य' हैं?

मानपुर। जनपद में कंधों पर पीढ़ियों का भविष्य ढोने वाले शिक्षक आज खुद अपने भविष्य को लेकर असमंजस में खड़े हैं। मध्यप्रदेश में टीईटी को लेकर जारी आदेशों ने उन शिक्षकों के जख्म कुरेद दिए हैं, जिन्होंने 28-30 साल तक चुपचाप बच्चों को पढ़ाया, गांवों को रोशन किया, और अब उन्हीं से फिर योग्यता साबित करने को कहा जा रहा है।
इस पीड़ा को आवाज देते हुए अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा, जिला उमरिया के अध्यक्ष पवन चतुर्वेदी के निर्देशन में, तथा ब्लॉक अध्यक्ष अशोक गौतम के नेतृत्व में, सैकड़ो की संख्या में शिक्षकों ने 11 अप्रैल को अनुविभागीय दंडाधिकारी मानपुर को प्रदेश के मुख्यमंत्री और राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा। यह सिर्फ एक ज्ञापन नहीं, बल्कि उन हजारों शिक्षकों की घुटन है, जो वर्षों की सेवा के बाद भी असुरक्षा के साये में जी रहे हैं। शिक्षकों का सीधा सवाल है कि जब हमने पूरी उम्र बच्चों को योग्य बनाया, तो आज हमें ही अयोग्य क्यों ठहराया जा रहा है? 02 मार्च और 26 मार्च 2026 के आदेश अब शिक्षक समाज के लिए चिंता का कारण बन गए हैं। मोर्चा ने मांग की है कि इन आदेशों को तुरंत निरस्त किया जाए और सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर पुनर्विचार याचिका दाखिल कर शिक्षकों को राहत दी जाए। सिर्फ इतना ही नहीं, शिक्षकों ने अपनी वर्षों की सेवा के सम्मान की भी गुहार लगाई है, नई संवर्ग व्यवस्था में पहली नियुक्ति से सेवा गणना की जाए, ताकि पेंशन, ग्रेच्युटी और प्रमोशन जैसे अधिकार सुरक्षित रह सकें।गांवों के स्कूलों में आज भी वही शिक्षक बच्चों को उम्मीद सिखा रहे हैं, लेकिन उनके अपने दिल में अब निराशा घर कर रही है। यह मुद्दा अब सिर्फ एक प्रशासनिक आदेश नहीं रहा—यह सम्मान, सुरक्षा और संवेदना की लड़ाई बन चुका है। सरकार के सामने सवाल खड़ा है कि क्या वो इन शिक्षकों की वर्षों की तपस्या को समझेगी, या फिर यह दर्द सड़कों पर उतरकर एक बड़े आंदोलन का रूप लेगा?

खबर संक्षेप

जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर की हुई घोषणा

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) क्षेत्र में जिला कांग्रेस कमेटी अनूपपुर की घोषणा हुई। जिसमें कोषाध्यक्ष के रूप में वरिष्ठ नेता जे.पी. श्रीवास्तव, उपाध्यक्ष के रूप में हरि शंकर दुबे (पुल्लू दुबे), महामंत्री निर्भय नारायण राव, महामंत्री संतोष यादव, सचिव नरोत्तम दास, एवं शोशल मीडिया प्रभारी धर्मदास को बनाया' गया है। सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारीयो का राजनगर भगत सिंह चौक पर जोरदार स्वागत किया गया तथा स्वागत के दौरान ढोल नगाड़े तथा जोरदार आतिशबाजी की गई। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राहुल सिंह परिहार, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हरिशंकर दुबे (पुल्लू दुबे), किसान जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राम नारायण सिंह, नगर पालिका उपाध्यक्ष धनंजय सिंह, गिरिजेश श्रीवास्तव, राजू श्रीवास्तव, मुकेश राजभर, आशीष राव, नवी रसूल, छोटू पाण्डेय, रविन्द्र लालू केवट, कृष्णा तिवारी, ब्लॉक सेवा जिला अध्यक्ष मनोहर जायसवाल, यूथ कांग्रेस ब्लॉक उपाध्यक्ष राहुल जायसवाल, सद्दाम अंसारी, पार्षद पवन सिंह, सिरवन सिंह, संतोष सिंह, गोविंद,गोपाल, विपिन दुबे, शिवनाथ यादव, गोपाल चौहान, आलोक सिंह, उप सरपंच सोमनाथ केवट, विपिन दुबे, संदीप पनिका, क्रांति, पिंटू,राम, संजीव प्रजापति, इमरान खान, बंटी, सिंह, संजय राव, इश्तियार खान सोनू, शमशेर पठान, शाहिद, सद्दाम, तिलक, अंसारी, मकसूद आलम, गौर चंद, पात्रों, केस्टो दादा, आलम, मानिकपुरी, रविन्द्र मौर्य, बाबा, अजय चतुर्वेदी, विवेक सिंह, मकसूद आलम, कृष्णा तिवारी, दिलीप दहिया, राकेश कोल, पार्षद पवन, अभिषेक चौहान, दिलीप केवट, अरविंद यादव, अविनाश, कमल, विजय मोहंती उपस्थित है।

नगर परिषद बनगवां द्वारा बाइक रैली निकालकर दिया सफाई का संदेश

राजनगर। नगर परिषद बनगवां (राजनगर) द्वारा स्वच्छता सोमवार शाम को स्वाभिमान अभियान, स्वच्छता जागरूकता वाहन रैली के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के लिए एक विशाल बाइक रैली, का आयोजन किया गया। यह रैली नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए गुजरी, जहाँ बाइक सवारों ने "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" और "प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ" जैसे नारे लगाए। इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को अपने घर का गीला और सूखा कचरा अलग रखने। प्लास्टिक का उपयोग बंद करने और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित करना था। इस रैली में बड़ी संख्या में नगर परिषद की पूरी टीम ने लोगों से स्वच्छता को अपनी आदत बनाने की अपील की। मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका ने बताया कि, यह अभियान स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के अंतर्गत शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने की दिशा में एक कदम है। इस स्वच्छता रैली में नगर परिषद बनगवां (राजनगर) के मुख्य नगर पालिका अधिकारी लखन लाल पनिका एंव लेखापाल राजेश मिश्रा, नगर परिषद के समस्त कर्मचारी, सहित कई समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ यादव के अध्यक्षता में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक हुई आयोजित

नर्मदा के संरक्षण हेतु सरकार एवं समाज में समन्वय जरूरी : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नर्मदा नदी जीवनदायिनी नदियों में से एक है। नर्मदा नदी के संरक्षण के लिए शासन एवं समाज के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि नर्मदा के उद्गम स्थल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रभावी प्रयास किए जाएँ तथा नदी तटों पर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सतत रूप से की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अमरकंटक की अखंडता बनाए रखने के लिए अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों तथा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण के प्रतिनिधियों द्वारा जन जागृति बढ़ाई जाए, ताकि उद्गम स्थल का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ यादव आज अमरकंटक में नर्मदा समग्र मिशन की बैठक में अधिकारियों के निर्देशित कर रहे थे। बैठक में मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष श्री नर्मदे हर सेवा न्यास एवं मध्यप्रदेश कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामलाल रौतेल, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर, पूर्व जनपद अध्यक्ष पुष्पराजगढ़ हीरा सिंह श्याम सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि स्थानीय प्रजाति के पौधे, वन औषधि पौधों का प्राथमिकता के साथ रोपण किया जाए। इस संबंध में वन मंडल अधिकारी से जानकारी प्राप्त की। वन विभाग के अधिकारियों ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र में प्राकृतिक वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। अमरकंटक के प्राकृतिक स्वरूप को निखारने के लिए स्थानीय प्रजाति साल, महुआ, ऑवला, चार, हर्रा, गुलबकावली आदि स्थानीय प्रजातियों के पौधों का रोपण कर उन्हें बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे भूमिगत जल स्तर में वृद्धि हो तथा स्थानीय वन प्राकृतिक रूप से संरक्षित रह सकें। इस दौरान यह भी बताया गया कि वन विभाग की रोपणी में 2.50 लाख से अधिक पौधे उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरकंटक में नए निर्माण कार्यों पर सख्ती से रोक लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अमरकंटक क्षेत्र में अनियंत्रित कंक्रीट निर्माण को प्रतिबंधित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक तथा नर्मदा उद्गम स्थल पर अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध समय-समय पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश कलेक्टर को दिए। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने नर्मदा नदी में प्रदूषण, अपशिष्ट जल निकासी एवं जल प्रबंधन व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस पर अधिकारियों ने बताया कि अमरकंटक में सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित किया जा चुका है तथा यह सुनिश्चित करने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं कि प्रदूषित जल नर्मदा नदी में न मिले। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरकंटक एक प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन नगरी है, जहाँ अनेक आध्यात्मिक एवं पौराणिक मंदिर स्थित हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ स्थानीय लोगों के साथ-साथ बाहरी व्यक्तियों द्वारा भी बड़े पैमाने पर निर्माण कार्य किए जा रहे हैं, जिन्हें नीति-नियमों के अनुरूप व्यवस्थित किया जाना आवश्यक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अमरकंटक क्षेत्र में प्लास्टिक एवं शराब के उपयोग पर कठोर प्रतिबंध लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि अमरकंटक में "नो मूवमेंट" एवं "नो कंस्ट्रक्शन" जोन निर्धारित किया जाए, ताकि क्षेत्र की पवित्रता, पर्यावरणीय संतुलन एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण सुनिश्चित किया जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि अमरकंटक में सीमेंट एवं कंक्रीट का निर्माण ना हो इसका अधिकारी विशेष ध्यान रखें, जिस पर कलेक्टर हर्षल पंचोली ने अवगत कराया कि अमरकंटक क्षेत्र का ड्रोन सर्वे पूर्व में कराया जा चुका है। इसके अंतर्गत यदि कोई अवैध निर्माण कार्य पाया जाता है, तो उस पर प्रशासन द्वारा त्वरित कार्रवाई की जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि अमरकंटक विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण, नगर परिषद तथा अमरकंटक मंदिर के विकास हेतु कमिश्नर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया गया है। इस समिति के माध्यम से समय-समय पर अमरकंटक के विकास एवं संवर्धन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं एवं बिंदुओं पर चर्चा की जाती है।

बैठक में ट्रैकिंग रूट, अग्नि सुरक्षा की मॉनिटरिंग एवं प्रबंधन, वन उत्पादों के प्रबंधन, जैव विविधता के संरक्षण एवं संवर्धन, वन्यजीवों के मूवमेंट एवं उनकी स्थिति सहित अमरकंटक के मंदिरों, तालाबों एवं घाटों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई तथा आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। समीक्षा बैठक में जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर ने नर्मदा समग्र मिशन के तहत समाज के सहयोग से संचालित की जाने वाली नर्मदा नदी के घाटों की साफ-सफाई तथा सहायक नदियों एवं घाटों में जन सहभागिता से किए जाने वाले श्रमदान कार्यों की जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव नगरीय प्रशासन एवं आवास संजय दुबे ने अमरकंटक में विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं आगामी योजनाओं की जानकारी दी। अपर मुख्य सचिव योजना आर्थिकी एवं सांख्यकी संजय शुक्ला द्वारा नर्मदा नदी के समग्र विकास के लिए बनाई गई कार्य योजना एवं उपलब्धियों से अवगत कराया। मुख्य सचिव वन संदीप यादव ने वन विभाग द्वारा जैव विविधिता, यूकोलिप्टिस के प्लांटेशन को हटाकर स्थानीय प्रजाति के पौधरोपण के संबंध में जानकारी दी। बैठक में शहडोल संभाग की कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक सुश्री चैत्रा एन, डीआईजी सविता सुहाने, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान, वनमण्डलाधिकारी डेविड व्यंकटेश, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक उमेश पाण्डेय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

अमरकंटक में हेलीकॉप्टर की गूंज

सीएम के आगमन से फिर जिंदा हुआ "सत्ता संकट" वाला मिथक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पवित्र नगरी अमरकंटक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के हेलीकॉप्टर से आगमन ने वर्षों पुराने एक रहस्यमयी मिथक को फिर चर्चा में ला दिया है। जनश्रुति है कि यहां हवाई मार्ग से आने वाले नेताओं की कुर्सी ज्यादा समय तक सुरक्षित नहीं रहती, जिससे अब यह दौरा आस्था और तर्क की परीक्षा बन गया है।मां नर्मदा के उद्गम स्थल नर्मदा उद्गम स्थल से जुड़ी आस्था जितनी गहरी है, उतनी ही गूढ़ यहां की लोककथाएं और मान्यताएं भी हैं। अमरकंटक सदियों से साधना, तप और आध्यात्मिक ऊर्जा का केंद्र रहा है, जहां प्रकृति और धर्म का अनोखा संगम देखने को मिलता है। इसी भूमि से जुड़ा एक चर्चित मिथक यह भी है कि जो भी बड़ा नेता हेलीकॉप्टर से यहां पहुंचता है, उसके राजनीतिक जीवन में जल्द ही बड़ा बदलाव देखने को मिलता है। इतिहास में इंदिरा गांधी, भैरों सिंह शेखावत और कमलनाथ जैसे नामों को इस धारणा से जोड़कर देखा जाता रहा है। हालांकि इन घटनाओं को संयोग भी कहा जाता है, लेकिन स्थानीय लोगों के लिए यह केवल संयोग नहीं, बल्कि आस्था का हिस्सा बन चुका है।

मिथक की जड़ें कितनी गहरी?

अमरकंटक में प्रचलित यह मान्यता कोई नई नहीं, बल्कि दशकों पुरानी है। स्थानीय बुजुर्गों और साधु-संतों के अनुसार यह भूमि अत्यंत संवेदनशील और तपोभूमि है, जहां हर गतिविधि का एक विशेष प्रभाव पड़ता है। कहा जाता है कि जब कोई शक्तिशाली व्यक्ति यहां हवाई मार्ग से आता है, तो प्रकृति का संतुलन प्रभावित होता है। हालांकि इस बात के पीछे कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, फिर भी यह विश्वास पीढ़ी दर पीढ़ी चला आ रहा है। यही कारण है कि आज भी इस मिथक को लोग गंभीरता से लेते हैं।

इतिहास के उदाहरण या महज संयोग?

अतीत में कई ऐसे उदाहरण दिए जाते हैं, जिनसे इस मिथक को बल मिलता है। इंदिरा गांधी के अमरकंटक दौरे के बाद देश की राजनीति में बड़े बदलाव हुए। इसी तरह भैरों सिंह शेखावत और कमलनाथ के नाम भी चर्चाओं में आते हैं। हालांकि राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल घटनाओं का संयोग है, लेकिन स्थानीय लोग इसे दैवी संकेत के रूप में देखते हैं। यही दोहरी सोच इस मिथक को और रहस्यमयी बना देती है।

आस्था बनाम विज्ञान की टकराहट

आज के आधुनिक दौर में जब विज्ञान और तर्क को प्राथमिकता दी जाती है, तब ऐसे मिथकों पर सवाल उठना स्वाभाविक है। विशेषज्ञों का कहना है कि किसी भी राजनीतिक परिवर्तन को इस तरह की मान्यताओं से जोड़ना तर्कसंगत नहीं है। लेकिन दूसरी ओर, अमरकंटक जैसे धार्मिक स्थल पर आस्था का महत्व भी कम नहीं है। यहां के लोगों के लिए यह सिर्फ कहानी नहीं, बल्कि अनुभवों का हिस्सा है। यही कारण है कि विज्ञान और विश्वास के बीच यह बहस लगातार जारी रहती है।

सीएम का दौरा, मिथक टूटेगा या और मजबूत होगा?

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह दौरा इस पूरे मिथक की सबसे बड़ी परीक्षा बन गया है। यदि भविष्य में उनके राजनीतिक जीवन पर कोई असर नहीं पड़ता, तो यह मान्यता कमजोर हो सकती है। वहीं यदि कोई बड़ा बदलाव होता है, तो यह मिथक और भी मजबूत हो जाएगा। फिलहाल अमरकंटक की गलियों, घाटों और आश्रमों में इसी चर्चा ने जोर पकड़ लिया है। सभी की निगाहें अब आने वाले समय पर टिकी हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अमरकंटक में माँ नर्मदा उद्गम स्थल पर की पूजा-अर्चना

प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं नागरिकों के कल्याण की कामना की

अनूपपुर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज अनूपपुर जिले के पवित्र तीर्थ स्थल अमरकंटक प्रवास के दौरान माँ नर्मदा के उद्गम स्थल पहुंचकर मां नर्मदा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने माँ नर्मदा की आरती कर प्रदेश के नागरिकों के उत्तम स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं चहुँमुखी विकास के लिए मंगल कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ नर्मदा मध्यप्रदेश की जीवनरेखा है और उनका आशीर्वाद सदैव प्रदेशवासियों पर बना रहता है। उन्होंने अमरकंटक की पावनता एवं आध्यात्मिक महत्व को रेखांकित करते हुए प्रदेश के समग्र विकास एवं जनकल्याण का संकल्प दोहराया। मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार, कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल, अध्यक्ष श्री नर्मदे हर सेवा न्यास एवं मध्यप्रदेश कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामलाल रौतेल, जन अभियान परिषद के उपाध्यक्ष पद्मश्री मोहन नागर, विधायक जयसिंहनगर विधानसभा क्षेत्र श्रीमती मनीषा सिंह ने भी मां नर्मदा की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर शहडोल संभाग की कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक सुश्री चैत्रा एन, डीआईजी सविता सुहाने, कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक मोतिउर रहमान, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अर्चना कुमारी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

तीन हाथियों का समूह राजेंद्रग्राम से जैतहरी के गोवरी जंगल में

एक हाथी का नहीं चल रहा पता

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। तीन हाथियों का समूह रविवार की रात वन परिक्षेत्र राजेन्द्रग्राम के पटना बीट से विचरण करता हुआ सोमवार की सुबह जैतहरी के गोवरी बीट अंतर्गत जंगल में पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं तीनों हाथियों द्वारा रात में किसानों के खेतों में लगी एवं रखी फसलों को अपना आहार बनाया है वही एक हाथी शनिवार एवं रविवार की मध्यरात्रि वन परिक्षेत्र अनूपपुर के भोलगढ़ बीट अंतर्गत चटुआ गांव में एक ग्रामीण के कच्चे मकान में तोड़फोड़ करने बाद रविवार एवं सोमवार के दिन से पता नहीं चल रहा जिसकी वन विभाग द्वारा खोजबीन की जा रही है। अनूपपुर जिले में दो अलग-अलग भागों में बटे चार हाथियों का समूह निरंतर विचरण कर रहा है करता हुआ ग्रामीणों के संपत्तियों को नुकसान पहुंचा रहे हैं विगत 10 दिनों तक राजेंद्रग्राम वन परिक्षेत्र के ग्रामीण अंचलों मंग विचरण करने बाद तीन हाथियों का समूह शनिवार एवं रविवार की मध्यरात्रि बेनीबारी बीट के जंगल से निकल कर कोहका, बम्हनी, बसनिहा, राजेंदग्राम, धर्मदास होते हुए रविवार के दिन पटना बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत धर्मदास के बघर्रा जंगल में दिन बीताने बाद देर शाम/रात जंगल से निकल कर हवेली पंचायत के आमाटोला निवासी बुटारी पिता परदेसिया सिंह एवं हर्रई पंचायत के डोकराटोला निवासी टोप सिंह के खेतों में लगी फसलों को खाता हुआ देर रात बैहार के पहाड़ से उतर कर वन परिक्षेत्र अनूपपुर के औढेरा बीट अंतर्गत ग्राम पंचायत बैहार के दोखहाटोला से जंगल हो कर ग्राम पंचायत गौरेला के आरदा, ठेही गौरेला के बड़काटोला, दुधमनिया बीट अंतर्गत केकरपानी, बांका के जंगलों में विचरण करता हुआ सोमवार की सुबह एक बार फिर से वन परिक्षेत्र जैतहरी के वन बीट ग्राम एवं ग्राम पंचायत गोबरी के झुरहीतलैया जंगल में 15 से 20 किलोमीटर की दूरी तय कर पहुंचकर विश्राम कर रहे हैं, तीनों हाथियों के निरंतर विचरण पर वन परिक्षेत्र अधिकारी अमरकंटक वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, वन परिक्षेत्र अधिकारी जैतहरी विवेक मिश्रा, परिक्षेत्र सहायक गिरवी कुंवर सिंह सोर्ठे, वनपाल जगत सिंह मसराम, वन्यजीव संरक्षक अनूपपुर शशिधर अग्रवाल, वन परिक्षेत्र अनूपपुर, जैतहरी, राजेंद्रग्राम एवं अमरकंटक के वंनरक्षकों, सुरक्षाश्रमिकों एवं ग्रामीणों के साथ रात भर हाथियों के विचरण पर निरंतर निगरानी रखते हुए ग्रामीणों को सचेत एवं संपर्क करने से कई गांव के ग्रामीणो को समय पर सूचना मिलने पर रात्रि समय सक्रिय होकर एक दूसरे की मदद किए जाने से किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति निर्मित नहीं हो सकी।

वही एक अकेला हाथी शुक्रवार एवं शनिवार की रात जिला मुख्यालय अनूपपुर से 8 किलोमीटर दूर स्थित पोंड़ी बीट के जंगल में विचरण करते राष्ट्रीय राज्यमार्ग को पार कर ग्राम पंचायत बरबसपुर के बघमंडा जंगल में थानू सिंह के कच्चे मकान में तोड़फोड़ कर बरबसपुर सरपंच बिसाहू लाल रौतेल एवं नारायण सिंह के खेतों में लगे तथा रखे फसलों को खाते फैलाते हुए शनिवार एवं रविवार की मध्य रात्रि वन बीट भोलगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत मझगवां के चटुआ गांव से लगे जंगल में समयलाल पाव के कच्चे मकान में अचानक पहुंचकर तोड़फोड़ करते हुए घर के पास रखें अनाज को खाया इस दौरान समयलाल पाव एवं उनका परिवार अचानक घर में पहुंच कर तोड़फोड़ कर रहे हाथी को देखते हुए घर से निकलकर जंगल की ओर भाग कर अपनी जान बचाई यह हाथी का रविवार की सुबह से वर्तमान समय तक पोंडी एवं भोलगढ़ वन बीट के अंतर्गत जंगल में ठहर कर विश्राम करने की संभावना बताई जा रही है जिसकी वन विभाग द्वारा खोजबीन की जा रही है।